राजसमंद शहर में आंधी-तूफान व ओलों के साथ बरसे बदरा

प्रदेश में प्री मानसून की बारिश ने कई जिलों को भिगोया

राजसमंद, (निसं)। शहर सहित जिलेभर में पिछले तीन दिनों से लगातार उमस के बाद सोमवार दोपहर में हुई तेज बारिश ने लोगों को राहत दी। जिला मुख्यालय पर सुबह से ही आसमान में बादलों का डेरा था। दोपहर 12 बजे के बाद तेज हवाओं के साथ जोरदार शुरू हुई बारिश में चने के आकार के ओले गिरे। करीब एक घंटे तक चले बारिश के दौर के बाद जिला मुख्यालय पर 47 एमएम बारिश दर्ज की गई। जबकि नाकली क्षेत्र में 4.6 एमएम दर्ज की गई।

प्री-मानसून की जिला मुख्यालय पर हुई पहली बारिश के दौरान भीगता युवक।

- प्री-मानसून की पहली बारिश में राजसमंद में 45 एमएम हुई बारिश

उमस से बेहाल लोगों को बारिश से राहत मिली। बारिश के दौरान सडकों व नालों में पानी भर गया। इसके चलते टू व्हीलर व फोर व्हीलर वाहनों को आवाजाही में परेशानी रही। सडक पर वाहन लेकर निकले लोगों को कहीं-कहीं मुसीबत का सामना करना पडा। बारिश के साथ तेज हवाओं के कारण कुछ समय के लिए बिजली बंद रही। बारिश के साथ तेज हवाओं के कारण सडकों पर लगे होर्डिंग, बोर्ड भी उड कर सडकों पर गिर गए। वहीं कलेक्ट्रेट निवास के बाहर एवं मुखर्जी चौराहे के समीप एक पैड हवा के तेज वेग से उखड कर जमीधोंस हो गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई हादसा नहीं हुआ। जिला मुख्यालय पर मानसून की शुरूआत में ही एक 1 घंटे की बारिश के बाद शहरवासियों ने राहत की सांस ली। जिले के सभी प्रमुख बांधों का जल स्तर इस बार बहुत नीचे चला गया है। ऐसे में इस प्री मानसून की बारिश और मानसून से लोगों को बहुत उम्मीदें हैं। बारिश के बाद किसानों के भी चेहरे खिल गए। ये बारिश फसल बुवाई के लिए अच्छी मानी जा रही है।

उदयपुर में ग्रामीण क्षेत्र में अच्छी बरसात, उमस से लोगों को राहत

उदयपुर, (कासं)। झीलों के शहर में भारी उमस के बीच सोमवार को बदले मौसम के साथ प्री-मानसून की बारिश हुई। बारिश का यह क्रम शहर के अलग-अलग इलाकों में दोपहर बाद शुरू हुआ जो शाम तक जारी रहा। प्री-मानसून की यह बारिश खण्ड वर्षा के रूप में हुई। सबसे पहले शहर के प्रतापनगर क्षेत्र में बारिश होने के समाचार मिले। इसके बाद शाम तक शहर के विभिन्न इलाकों में बारिश हुई। तापमान में पांच डिग्री की गिरावट भी हुई। मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार सुबह 8 बजे से शाम 5.30 बजे तक बीते 12 घंटों में 11.2 मिमी (करीब आधा इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा उदयपुर अंचल के कई ग्रामीण कस्बों व क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश के समाचार मिले है। अधिकतम तापमान में एक डिग्री की और गिरावट हुई है। दो दिन में तापमान में 6 डिग्री की गिरावट हुई है। शनिवार को तापमान 40.6 डिग्री था जो रविवार को पांच डिग्री गिरकर 35.4 डिग्री पर आ पहुंचा और आज यह 34.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

भरतपुर में माली समाज का चक्का जाम जारी

सैकड़ों की संख्या में लोग बैठे हैं नेशनल हाइवे पर

मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने अधिकारियों से भरतपुर में शांति बनाए रखने के संबंध में वार्ता की।

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जयपुर राष्ट्रीय संख्या 21 पर स्थित अरौदा गांव पर माली, सैनी, कुशवाहा शाक्य, मौर्य समाज के लोगों द्वारा आरक्षण दिए जाने की मांग को लेकर किया जा रहा चक्का जाम दूसरे दिन सोमवार को भी जारी रहा। समाज के आंदोलन को देखते हुए संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने आदेश जारी कर नदबई, वैर, भुसावर, उच्चौन कस्बों के इंटरनैट सेवा को बंद कर दिया गया है।

- माली, सैनी, कुशवाहा शाक्य, मौर्य समाज के लोगों को अलग से आरक्षण दिए जाने की मांग की
- चार कस्बों में 24 घंटे बंद रहेगा इंटरनैट

आंदोलनकारी की मांग है कि राज्य सरकार के अधिकारी व मंत्री वार्ता के लिए आए। जिस पर सरकार ने पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह सोमवार को भरतपुर आए । जहां उनके साथ संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, आईजी प्रसन्न कुमार खमेसरा, जिला कलक्टर आलोक रंजन, एसपी श्याम सिंह सहित अन्य अधिकारी धरना स्थल पर भी पहुंचे है। बाद में इन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह की संभागीय आयुक्त कार्यालय में इस मामले में अधिकारियों से चर्चा की है। इस दौरान कैबीनेट मंत्री भजन लाल जाटव भी मौजूद रहे। माना जा रहा है कि आज आंदोलनकारियों से चर्चा कर उनका ज्ञापन लेकर इस मामले में सकारात्मक पहल हो सकती है।

संभागीय आयुक्त कार्यालय में कैबीनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने मीडिया से वार्ता करते हुए कहा है कि सैनी और कुशवाह समाज का जो आंदोलन चल रहा है। उसको लेकर चर्चा हो रही है की उसका लीडर कौन है। गुर्जर आंदोलन के समय लीडर कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला थे। जो कि समाज में सर्वमान्य नेता थे लेकिन माली समाज के इस आरक्षण आंदोलन में लीडर की कमी दिखाई दे रही है। इसके अलावा भीषण गर्मी पड़ रही है। चक्का जाम में बुजुर्ग भी बैठे हैं महिलाएं भी बैठी अगर किसी को कुछ हो गया तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने नेशनल हाईवे को रोक रखा है 24 घंटे में कम से कम उन्हें वार्ता के लिए आना चाहिए। वार्ता के लिए खुला न्योता है जब आना चाहे तब आये, लेकिन अधिकृत रूप से आए।

संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने आदेश जारी करते हुए बताया है की, माली, सैनी, कुशवाहा शाक्य, मौर्य समाज द्वारा 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग की जा रही है। शांति और कानून व्यवस्था को बिगड़ने की संभावना को देखते हुए इंटरनैट और ब्रॉडबैंड की सेवाओं पर रोक लगाया जाना जरुरी है। इसलिए नदबई, वैर भुसावर और उच्चैन तहसील में इंटरनैट सेवा बंद करना काफी कारगर सिद्ध हो सकता है। यह इंटरनैट 13 जून 11 बजे से 14 जून 11 बजे तक बंद रहेगा। आरक्षण संघर्ष समिति के संरक्षक लक्ष्मण सिंह कुशवाहा ने बताया कि समाज के लोग संविधान के तहत आरक्षण की डिमांड कर रहे हैं। संविधान के अनुच्छेद संख्या 16.4 में व्यवस्था दी गई है, की जो जातियां अति पिछड़ी हुई हैं, उन्हें राज्य सरकार अपने स्तर पर आरक्षण दे सकती है। इसका केंद्र से कोई मतलब नहीं रहता है। हम जनसंख्या के आधार पर आरक्षण मांग रहे हैं।

मरूधरा जोधपुर में खुलकर बरसे बादल

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में दिन भर आसमां पर छाए बादल सोमवार को शाम को बरसे। करीब सवा चार बजे अचानक ही बूंदाबादी शुरू हो गई। बाद में खुल कर बरसे। देखते ही देखते सडकों पर पानी बहने लगा। दक्षिण पश्चिम मानसून निर्धारित समयानुसार आगे बढ रहा है। गुजरात के कच्छ तक पहुंचने के बाद इसके जल्द की राजस्थान में प्रवेश की संभावना बनी है। परिस्थितियां अनुकूल रही तो जल्द की प्रदेश पर मानसूनी बादल नजर आ जाएंगे। फिलहाल प्रदेश में प्री मानसून बारिश की शुरूआत हो गई है। प्रदेश में रविवार को प्री मानसून की बारिश ने कई जिलों को भिगोया, वही कई जिलों में अब भी भीषण गर्मी और उमस बनी हुई है।

मारवाड में भी रविवार को बादलों का डेरा जमने लगा था। आज भी मारवाड पर प्री मानूसन के बादल छाए हुए है। बादलों के छाने से मौसम खुशनुमा बना हुआ है मगर उमस बरकरार होने से लोगों अब बारिश का इंतजार है। मारवाड में रविवार को जहां पाली, जालोर के साथ जोधपुर के लूणी में धुंधाडा में बारिश हुई वहीं आज घने बादलों के छाने से बारिश के आसार सुबह से ही बने हूए थे।

मौसम विभाग ने भी मारवाड के जालोर सिरोही, पाली, जैसलमेर,जोधपुर सहित 12 जिलों के अलर्ट जारी किया है। आगामी 24 घंटों में यहां पर आंधी के साथ बारिश हो सकती है। सोमवार को जोधपुर शहर में सुबह से ही बादलों की आवाजाही बनी हुई है। बादलों की ओट में सूर्यदेव के छिपने से गर्मी का असर काफी हद तक कम हुआ है, मगर उमस बनी रहने से लोगों को पसीने भी छूट रहे है। आज दोपहर में तापमान 36 डिग्री तक आ गया है, हवा में नमी की आद्रता बढने से बारिश के आसार बढ गए है।

बीकाणे में मेहरबान हुए इन्द्रदेव

बीकानेर में हुई बारिश के दौरान अठखेलियां करते बच्चे।

बीकानेर, (कासं)। अंचल में दो दिन लगातार भीषण गर्मी के बाद सोमवार को आखिर इन्द्रदेव इलाके पर मेहरबान हुए। दोपहर तक उमस और गर्मी के बाद आसमान में छाए काले बादलों ने करीब तीन बजे बरसना शुरू किया। आधे घंटे से अधिक समय तक हुई बारिश से बीकानेर शहर की गलियों में पानी भर गया। बीकानेर में इन दिनों तापमान 44 डिग्री के आस-पास रह रहा है। सोमवार को बारिश से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं साथ ही खरीफ की फसलों को भी जीवनदान मिल गया।

गर्मी से झुलस रहे पेड़-पौधे भी बारिश से फिर खिल उठे। बारिश बीकानेर शहर के साथ ग्रामीण अंचल में भी हुई है। इलाके में अभी ग्वार और मूंग-मोठ की बुवाई होनी है। ऐसे में बारिश से आगामी सीजन में फसलों को लेकर उम्मीद बंधी है। सिंचित क्षेत्र में कपास की फसल गर्मी से झुलस रही थी। उसे भी बारिश ने जीवनदान दिया है। बारिश शुरू होने के साथ ही पूरे शहर में बिजली गुल हो गई। जिससे लोगों को जरूर परेशानी हुई। शहर के कई हिस्सों में तो काटी गई बिजली आपूर्ति एक घंटे तक बहाल नहीं हो पाई।

खाली प्लॉट पर अवैध निर्माण करते चार भू-माफिया गिरफ्तार

पुलिस की गिरफ्त में अवैध निर्माण करने के आरोपी।

टोडाभीम, (निसं)। क्षेत्र के प्रमुख आस्थाधाम मेहंदीपुर बालाजी में खाली प्लॉट पर गत रात्रि लट्ठ के बल पर अवैध निर्माण करने के आरोप में स्थानीय पुलिस ने चार भूमाफियाओं को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी रामखिलाड़ी मीना ने बताया कि गत रात्रि करीब 11 बजे सूचना मिली कि कांग्रेस नेता सूरजभान मीना अपने 30-40 साथियों के साथ वेदान्ता होटल के सामने खाली प्लॉट का ताला तोड़कर कब्जा करने के उद्देश्य से अवैध निर्माण कर रहा है।

- कांग्रेस नेता सूरजभान मीना रात्रि में करवा रहा था अवैध निर्माण

इस पर पुलिस टीम को मौके पर रवाना किया। वहां खाली प्लॉट के अन्दर सूरजभान मीना अपने साथियों के साथ अवैध निर्माण करने की जिद कर रहा था। उनको एसआई भगवान सिंह समझाइश कर रहे थे लेकिन सूरजभान मीना रात्रि को ही अवैध निर्माण कर कब्जा करना चाह रहा था। उससे समझाइश के प्रयास किये गए तो पुलिस से उलझने लगा और अपने पद का प्रभाव दिखाते हुए पुलिस पर दबाब बनाने लगा।

इस दौरान पुलिस ने चार व्यक्तियों को पकड़ लिया और बाकी लोग प्लॉट की दीवार कूद कर भाग गये। पुलिस ने मौके से सूरजभान मीना, महेश, लेखराज सहित रोहित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से एक बोलेरो, एक मोटरसाइकिल, एक जुगाड़नुमा वाहन जिसके अन्दर लोहे की टीन, एंगल, छोटी बैल्डिंग मशीन, ग्राइंडर आदि सामान को लावारिस स्थिति में जब्त किया है।

अतिक्रमण हटाने गई टीम को देख युवक ने खुद को आग लगाई

अलवर, (निसं)। अतिक्रमण हटाने गई टीम को देखते ही युवक ने खुद को आग लगा ली। आनन-फानन पुलिस वालों ने युवक को डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल पहुंचाया। गंभीर हालत को देखते हुए उसे जयपुर रेफर कर दिया गया है। मालाखेड़ा इलाके के पहाड़ी गांव में सोमवार सुबह करीब 11 बजे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे थे। सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर टीम को कार्रवाई करनी थी। कोर्ट के आदेश पर जमीन से कब्जा हटाना था। मौके पर पुलिस को देख चांद पहाडी निवासी करण सिंह (40) पुत्र मंगतूराम ने खुद पर पेट्रोल छिड़क लिया। पहले झोपड़ी और बाद में खुद को आग लगा ली। इस घटना के बाद परिजनों ने पुलिस टीम पर आरोप लगाया कि यह आग पुलिसकर्मियों ने लगाई है।

- परिजनों ने पुलिस टीम पर आग लगाने का आरोप लगाया

दरअसल जिस जमीन पर टीम अतिक्रमण हटाने गई थी वह 1975 में कन्हैया नाम के व्यक्ति को अलॉट कर दी गई थी। करण सिंह के भाई ने बताया कि मंगतूराम परिवार का गांव में गैर खातेदारी जमीन पर करीब 45 साल से अधिक समय से कब्जा है। अब प्रशासन इस जमीन से कब्जा हटाने आया था। मौके पर उसके भाई को जला दिया गया। काफी देर तक आग से जला हुआ युवक वहीं पडा रहा। बाद में उसे अस्पताल पहुंचाया गया।

एसडीएम अनुराग हरित ने कहा कि कोर्ट के आदेश पर चांद पहाडी एरिया में अतिक्रमण हटाने गए थे। मौके पर कार्यवाही से पहले ही करण सिंह ने आत्मदाह का प्रयास किया। टीम की ओर से उसे बचाने का भी प्रयास किया गया है। अब उसे जयपुर रेफर किया गया है। युवक परिवार के साथ इसी जमीन पर खेती-बाड़ी करता है। अलवर तहसीलदार ने बताया कि 183-बी के आदेश पर कार्रवाई की जानी थी। जमीन से कब्जा हटाने के लिए तहसीलदार कोर्ट से अगस्त 2016 में फैसला आया था। कब्जेधारियों ने रेवेन्यू कोर्ट में अपील की थी। लेकिन, उनकी अपील खारिज हो गई थी। हाल में एससी आयोग के चेयरमैन अलवर आए थे, इस दौरान उन्होंने ऐसे अवैध कब्जे हटाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद इस जमीन पर कब्जा हटाने के लिए सोमवार को टीम पहुंची थी। उन्होंने बताया कि 1.94 हैक्टेयर जमीन पर अवैध कब्जा था।

चंदन पेड़ चुराने वाला रिमांड पर

उदयपुर, (कासं)। चंदन पेड़ काटने जिला कलक्टर के बंगले में घुसे युवक को पुलिस ने रिमांड पर लिया है। प्रकरण के अनुसार 12 जून सवेरे जिला कलक्टर के बंगले में संदिग्धों के आने का पता चलने पर संतरी जगदीश के चिल्लाने पर साथियों के साथ घेरा डाल अम्बामाता कच्ची बस्ती कोतवाली निम्बाहेड़ा चित्तौड़ को दबोच लिया। इस दौरान उसका साथी डावदा छोटीसादड़ी निवासी देवा रावत फरार हो गया। अनुसंधान अधिकारी हेडकांस्टेबल किशनसिंह ने आरोपी प्रहलाद को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे 15 जून तक के लिए रिमाण्ड पर लेकर फरार साथी व अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

गोविंदराम मेघवाल के बेटे पर हमले के लिए हथियारों की होनी थी खरीद

केबिनेट मंत्री गोविन्दराम मेघवाल से फिरौती मांगने का मामला

बीकानेर, (कासं)। राज्यसभा चुनाव की बाड़ेबंदी के दौरान केबिनेट मंत्री गोविन्दराम मेघवाल से फिरौती मांगने वाले बदमाश उनके बेटे और पूगल पंचायत समिति के प्रधान गौरव मेघवाल पर हमला करने के लिए हथियार खरीदने की तैयारी में थे। इस बीच पुलिस ने दो युवकों और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। वहीं हथियार खरीदने की फिराक में इधर-उधर भाग रहे बदमाशों की गिरफ्तारी का प्रयास चल रहा है।

बीकानेर रेंज के आईजी ओमप्रकाश ने बताया कि मंत्री गोविन्दराम को धमकी देने में लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप का संपर्क नहीं है। छह दिसम्बर 21 को खाजूवाला के ग्राम सात एसएसएम में सरपंच खलील खान के साथ मारपीट हुई थी। उसी मारपीट के मामले में जिन लोगों के खिलाफ चालान पेश हुआ, उनमें राजेश उर्फ राजू बिश्नोई भी था। गोविन्दराम मेघवाल पर खलील खान को समर्थन देने का आरोप लगाते हुए राजू बिश्नोई ने उस पर दबाव बनाने का निर्णय किया। इस काम में उसने मलेशिया में रहने वाले सेठीराम उर्फ सुनील बिश्नोई से संपर्क किया।

सुनील ने ही मलेशिया से गोविन्दराम मेघवाल को कॉल करके धमकाया व सत्तर लाख रुपए की फिरौती मांगी। इतना ही नहीं उसे गौरव और सरीता मेघवाल की व्हाट्सएप फोटो भी भेजी। योजना थी कि फिरौती नहीं देने पर गौरव मेघवाल को धमकाया जाएगा। इसके लिए हथियार खरीद की जिम्मेदारी दी गई। ये काम गुरविंद्र सिंह उर्फ सेरी यादव को सौंपा गया। पुलिस अब इसी गुरविंद्र को गिरफ्तार करने की तैयारी में है।

एक दिन में 27 बाल श्रमिक मुक्त

उदयपुर, (कासं)। बालश्रम मुक्त उदयपुर अभियान के प्रथम दिवस सोमवार को कुल 27 बच्चों को बालश्रम से मुक्त करवा कर कुल 9 मामले संबंधित थानों में दर्ज की गई। राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग सरकार के सदस्य डॉ. शैलेंद्र पण्ड्या ने कहा कि बालश्रम मुक्त उदयपुर के लिए हम दोनों पक्षों पर एक साथ काम कर रहे हैं।

बाल अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक मीना शर्मा ने बताया कि जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, मानव तस्करी विरोधी यूनिट, बाल कल्याण समिति, श्रम विभाग, कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन, बाल सुरक्षा नेटवर्क एवं गायत्री सेवा संस्थान सहित स्थानीय संगठनो द्वारा सामूहिक रूप से दल बनाकर शहर के सूरजपोल, सवीना, सुखेर, प्रतापनगर एवं धानमण्डी पुलिस थाना अंतर्गत जन-जागरूकता एवं बाल श्रमिकों का रेस्क्यू किया गया।

संभागीय श्रम आयुक्त पी.पी शर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान जिन होटल, रेस्टोरेंट एवं कार्यस्थल पर बालश्रम होता नहीं मिला उन मालिक, नियोक्ताओं का सम्मान भी टीम द्वारा पुष्प गुच्छ एवं उपरना भेंट कर किया गया।

कॉलेज प्रशासन और आंदोलनकारी छात्र आमने-सामने, पुलिस में पहुंचा मामला

जीएलएम कृषि कॉलेज की छात्रा हेमलता की कॉलेज की बस से बीच रास्ते में उतारने के बाद हुई मौत का मामला

किशनगढ़बास, (निसं)। जीएलएम कृषि कॉलेज की छात्रा हेमलता कुमावत की मौत के मामले में शनिवार को कॉलेज गेट पर की गई तालाबंदी, स्टाफ के साथ धक्का-मुक्की अभद्रता व कॉलेज में तोड़फोड़ को लेकर कॉलेज प्रशासन ने आंदोलनकारी छात्रों के विरुद्ध पुलिस में मामला दर्ज कराया है। वहीं दूसरी ओर सोमवार को किशनगढ बास पहुंचे मृतक छात्रा हेमलता कुमावत के भाई आशीष कुमावत ने पुलिस थाने में प्रिंसिपल सहित तीन जनों को बहन की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए शिकायत दी है।

सोमवार को सीकर जिले के दातारामगढ के गांव पचार निवासी आशीष कुमावत व कुम्हार समाज के प्रदेश अध्यक्ष किशोर दूल्हेपूरा जीएलएम कृषि कॉलेज के छात्रों के साथ तहसील कार्यालय और पुलिस थाने पर पहुंचे जहां छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर पुलिस में छात्रा हेमलता कुमावत की मौत का जिम्मेदार कॉलेज प्रशासन को ठहराते हुए कॉलेज प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

किशनगढ़बास पुलिस थाने पहुंच कर छात्रा हेमलता के भाई ने छात्रों के साथ पहुंच कर कॉलेज प्रशासन के खिलाफ भी शिकायत मामला दर्ज कर कार्रवाई करने की रखी मांग।

छात्रा हेमलता कुमावत के भाई आशीष कुमावत की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया है कि 9 जून को कॉलेज से छुट्टी के बाद स्टाफ की बस में किशनगढ बास बैठ कर आ रही हेमलता कुमावत सहित करीब आधा दर्जन छात्राओं को कॉलेज प्रशासन की हठधर्मिता के चलते बीच रास्ते में किशनगढ बास से करीब 3 किलोमीटर पहले यह जानते हुए उतार दिया गया कि छात्रा हेमलता कुमावत माइग्रेन से पीड़ित है। यहां तक की बस से उतारे जाने के बाद छात्राओं को कॉलेज के लोगों ने धमकाया।

- मृतक छात्रा के भाई ने कॉलेज प्राचार्य सहित दो जनों के खिलाफ की शिकायत
- प्रिंसिपल ने छात्रों के खिलाफ तालाबंदी, स्टाफ के साथ अभद्र व्यवहार का कराया मामला दर्ज

दूसरी ओर प्रिंसिपल डॉ. प्रीति नायर नें पुलिस थाने में करीब एक दर्जन छात्रों के विरुद्ध मामला दर्ज कराते हुए पुलिस को रिपोर्ट में बताया है कि शनिवार को 10-12 छात्रों का गिरोह बनाकर छात्र हाथों में डंडा केसरिया लेकर सुबह कॉलेज के बाहर आए और कॉलेज के मैन द्वार पर ताला लगा दिया। छात्रों ने कॉलेज स्टाफ को भी कॉलेज परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया। कॉलेज प्रिंसिपल के कॉलेज में प्रवेश करने पर अभद्र व्यवहार व गाली गलौज कर कॉलेज में तोड़फोड की गई। कॉलेज प्रबंध निर्देशक रितेश शर्मा का कहना है कि कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल ए के पाठक कॉलेज से हटाए जाने पर छात्रों को कॉलेज के खिलाफ उकसाने का काम कर रहे हैं।